

256
24

पक्षीय प्राणों उपोन्नती,
कुई आवास समवाही गरी
संविन कोई उल्लासन,
अकालप उपोन्नती)

अने: प्रामथ प्राण
अरुण बाजकी, अरुण
पैरकी से कारिज किया
जाना है अनन्तरिद विषेका
अनेका एका दिनेक 8.5.18
विश्वे किया जाना है

प्राणाली प्रकाश
शुभार होकर बाद
नक्षत्रीय वाड-प्राण
काय हमकीनत ही
अ

